[illegible]

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 000682

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रवेशिका परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 25-03-2023

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	11	19	3
2	5	20	3
3	10	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	1	30	
13	2	31	
14	2	योग	75
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	75	पचहत्तर
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर........ संकेतांक 70104

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 172 / 2022

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में 'समाप्त' लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।

   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।

   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार ले जाना निषेध है।

   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।

   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ ग्राफ/ मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/ अन्तर/ विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	1(i)	(स) 13 अप्रैल 1919
1	(ii)	(ब) द्वितीय
1	(iii)	(अ) अमेरिका
1	(iv)	(ब) कपास
1	(v)	(अ) भारत
1	(vi)	(स) बेल्जियम
1	(vii)	(ब) नारीवादी
00	(viii)	(अ) श्रीलंका
1	(ix)	(अ) उपभोक्ता के सुरक्षा के लिए
1	(x)	(स) रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया
1	(xi)	(ब) एल्यूमिनियम प्रगलन
1	(xii)	(द) बहुराष्ट्रीय कम्पनी
00	2.(i)	दो
1	(ii)	कैलीग्राफी
1	(iii)	1948
1	(iv)	स्वास्थ्य स्थिति
1	(v)	वस्तु विनिमय
1	(vi)	उपभोक्ता संरक्षण
00	3.(i)	श्रीलंका
1	(ii)	अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक को ब्रेटन वुड्स की जुड़वा सन्तान के नाम से जाना जाता है,
1	(iii)	प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किया था।
1	(iv)	गुजरात

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(v)	गहन जीविका कृषि
1	(vi)	सिंचाई की फसल प्रारुप में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सिंचाई से फसल तैयार होती है, इस प्रकार यह फसल प्रारुप को तैयार करती है।
1	(vii)	समरुप समाज महिलाओं की बराबरी का अधिकार दिलाने वाले देशों में पाया जाता है। समरुप समाज — (1) जर्मनी (2) स्वीडन
00	(viii)	जन्म पर है।
1	(ix)	फेडेकॉर संगठन ने।
1	(x)	प्राथमिक क्षेत्रक – प्राथमिक क्षेत्र में उन गतिविधियों को सम्मिलित किया है जिसमे प्राकृतिक उत्पादों का सीधा उपयोग किया जाता है अर्थात् प्राथमिक क्षेत्रक में, मनुष्य प्रकृति से उत्पाद प्राप्त करता है।
1	(xi)	ग्रामीण क्षेत्र में यदि श्रमिकों को नियमित एवं बेहतर मजदूरी मिले और उनके रोजगार की सुरक्षा हो तो श्रमिकों का संरक्षण हो सकता है।

BSER-1724/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(xii) (i) एक भूमिहीन ग्रामीण ~~मधू~~ मजदूर ~~के~~ ~~लिए~~ नियमित एवं बेहतर मजदूरी चाहते है।

1 (ii) वे बेहतर एवं रोजगार मे सुरक्षा चाहते है जिससे वे सुरक्षित रह सके और अपनी आय बढ़ा सके।

~~विपणन संघी की विशेषताये~~

(5) बाजार मे श्रम की बहुतायत मजदूरो की जिंदगी प्रभावित हुई है। ~~इससे~~ मजदूर ~~बाजे~~ बाजारो मे श्रम या कठिन परिश्रम करते है। वे अपना पेट भरने, घर का खर्चा चलाने बाजारो मे काम करते है। कई बार तो मजदूर अपनी आय को अधिकतम ~~करलु~~ करने के लिए बाजार मे श्रम करते है और इसी आय से उनका जीवन सुखमय और लाभदायक हो जाता है। अपने परिवार का भरण-पोषण करके जिन्दगी को प्रभावित बना लेते है।

2

(6) कर्तन दहन कृषि - कर्तन दहन कृषि वह जिसमे भूमि के एक टूकडे को साफ करके किसान अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2		फसल उगाते है और इस भूमि के टुकडे की उर्वर शक्ति समाप्त हो जाती है तो किसान अपने भरण-पोषण के लिए भूमि का टुकडा बदल लेते है। बदले हुए भूमि के टुकडे की उर्वर- शक्ति अधिक होती है। कर्तन दहन कृषि को विश्व मे अनेक नामों से जाना जाता है-जैसे- इण्डोनेशिया में लदांग और वियतनाम मे रे के नाम से जाना जाता है। हमारे देश के उत्तर- और उत्तर-पूर्वी राज्यों में इसे झूम के नाम से जाना जाता है।
2	(7)	वन्य जीवो की सुभेद्य जातियाँ - ये वे जातियाँ है जिनकी संख्या घट रही है। जैसे - नीली भेंड। यदि इन जातियो को कम करने वाली विषम परिस्थितियो को नही बदला गया तो ये जातियाँ संकटग्रस्त जातियो के श्रेणी मे आ जायेगी। इसलिए इन जातियो को संरक्षण की आवश्यकता है।
	(8)	समय की माँग है कि हम अपने जल संसाधनो का संरक्षण और प्रबन्ध करे इसके लिए हमे जल को ~~...~~ दूषित

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

नहीं करना चाहिये क्योंकि विश्व में अलवणीय जल की कमी है और जल एक नवकरणीय संसाधन है। यदि हम जल संसाधनों का अत्याधिक दोहन करेंगे तो जल संसाधन धीरे-धीरे समाप्त हो जायेंगे। जल साधनों को प्रदूषित नहीं करना चाहिये। यदि जल संसाधन दूषित हो जाते हैं तो इससे अनेक बीमारियाँ फैल जाती है और लोगों को पीने की पानी की चिन्ता हो जाती है। इस कारण हमे पीने के पानी को ढक रखना चाहिये। जल संसाधनों की सुरक्षा करनी चाहिये। जल प्रदूषण करने वालों के प्रति कानून बनाकर प्रबन्धन कर सकते हैं।

2

(9) रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन का महत्व अधिक होता है (i) क्योंकि रेल परिवहन से लम्बी दूरी ही तय हो सकती है। रेल परिवहन से छोटी-मोटी दूरी तय नहीं हो सकती इसलिए सड़क परिवहन अधिक उपयोगी होता है (ii) क्योंकि सड़क परिवहन से हम लम्बे और छोटे सफर को आसानी से कर सकते हैं। यदि हमे आस-पास के गाँव मे जाते हैं तो सड़क परिवहन का ही महत्व होता है, रेल परिवहन का नहीं। इस कारण रेल परिवहन की अपेक्षा सड़कों का मार्ग आसान और सुगम होता है।

2

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(10)	राजनीतिक दल के दो कार्य —
	(1)	राजनीतिक दल चुनाव लड़ते है।
2	(2)	राजनीतिक दल जाति के आधार पर कभी भेदभाव नहीं करते है और राजनीतिक दल लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। यह लोकतंत्र को सुदृढ़ ~~बना~~ और मजबूत बनाते है।
2	(11)	हम लोकतंत्र को उत्तरदायी और जिम्मेदार वैध शासन मानते है। क्योंकि लोकतंत्र लोगों के प्रति जिम्मेदार होता है और लोगों के हितों के लिए ~~उत्तरदायि~~ उत्तरदायी हो। लोकतंत्र में राजनीतिक दल एक-समान रूप से लोगों का हित करते है और लोकतंत्र एक वैध शासन व्यवस्था है क्योंकि यह लोगों की अपनी चुनी हुई सरकार होती है। इसमें फैसलो में बेहतरी बढ़ती है। इस कारण हम लोकतंत्र को उत्तरदायी और जिम्मेदार तथा वैध शासन मानते है।
1	(12) (1)	लोकतंत्र को पुर्नपरिभाषित करने में राजनीतिक दल एक महत्वपूर्ण बिन्दु है।
	(2)	लोकतंत्र को पुर्नपरिभाषित करने में जनता भी एक महत्वपूर्ण बिन्दु होता है।

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(13) नवीकरणीय संसाधन :- नवीकरणीय संसाधन वे संसाधन होते है जिनको रासायनिक, यांत्रिक क्रियाओं द्वारा पुनः उत्पन्न किया जा सकता है।
जैसे - वन, जल, सौर ऊर्जा आदि नवीकरणीय संसाधन के उदाहरण है।

अनवीकरणीय संसाधन - इन ~~संसाधनको~~ संसाधनो को रासायनिक एवं यांत्रिक क्रियाओ द्वारा पुनः उत्पन्न नहीं किया जा सकता है। ये एक बार के प्रयोग से ही समाप्त हो जाते हैं। इन्हें गैर-नवीकरणीय संसाधन भी कहते हैं।
जैसे - खनिज पदार्थ आदि।

2

(14) सार्वजनिक क्षेत्रक और निजी क्षेत्रकों में विभेद -
1. सार्वजनिक क्षेत्रक उन्हें कहते जो सभी के लिए उपलब्ध हो, जबकि निजी क्षेत्रक उन्हें कहते जो निजी व्यक्तियों के होते हैं।
2. सार्वजनिक क्षेत्रकों पर सरकार का स्वामित्व और नियंत्रण होता है जबकि निजी क्षेत्रको की परिसंपत्तियों पर कोई सरकारी नियंत्रण नहीं होता है।
3. सार्वजनिक क्षेत्रकों में जैसे - भारतीय रेलवे, जल विभाग, सवाई मानसिंह चिकित्सालय आते हैं और निजी क्षेत्रकों में जैसे -

2

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ICICI बैंक, मजदूर संघ आदि आते है।

(15) बैंको की ऋण संबंधी गतिविधियाँ -
बैंक हमे कम ब्याज दर पर ऋण प्रदान करती है। बैंक हमे लम्बे समय तक ऋण देती है और साहूकार महाजन, व्यापारी के शोषण से भी मुक्ति दिलाती है। बैंक ऋण का एक भाग ऋण प्रदान करने मे इस्तेमाल करते है। बैंको को ऋणी से ऋण लेने में कोई तकलीफ नही होती। जिसके पास बैंक से ऋण लेने हेतु समर्थक ऋणाधार है वह बैंक से ऋण लेता है और जिसके पास समर्थक ऋणाधार नही होता है। वह बैंकों से ऋण लेने मे हिचकिचाते है और ऐसे लोगो को बैंको से ऋण प्राप्त नहीं होता है। बैंक हमे ऋण चेक के माध्यम से भी देते है।

2

(16) भारत में उपभोक्ता आंदोलनो को प्रभावी बनाने के दो कारक -
(1) उपभोक्ता को को उनके अधिकारो से अवगत करना चाहिये और उपभोक्ता आन्दोलनो मे प्रदर्शन करने के लिए

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जागरूक करना चाहिये।

(2) उपभोक्ता को उपभोक्ता अदालतो तथा उनसे संबंधित कानूनो की जानकारी से अवगत कराना चाहिये और उपभोक्ता को दुकानदार या व्यापरी के शोषण से मुक्त होने के लिए आंदोलनो में सक्रिय रूप भाग लेना चाहिये।

2

(17) इटली का एकीकरण –

इटली के एकीकरण मे ज्युसेपे मेत्सिनी, ज्युसेपे गैरीबाल्डी, काबूर और ~~विक्टर इमेनिय~~ ~~इमेनुअल~~ इमेनियल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इटली अपने एकीकरण से पूर्व सात राज्यों में ~~विभा~~ विभाजित था।

1. इटली के एकीकरण मे ज्युसेपे मेत्सिनी का योगदान – ज्युसेपे मेत्सिनी इटली का एक महान क्रांतिकारी था। उसने इटली के एकीकरण के लिए कार्बोनारी संगठन की स्थापना की। उन्होने 1931 मे बर्न मे यंग यूरोप तथा ~~इटली~~ मार्सेई मे 1933 मे यंग इटली की स्थापना की। उनका विश्वास था कि ईश्वर की ~~इच्छा~~ इच्छा के अनुसार इटली का एकीकरण करना बहुत आवश्यक है उन्होने प्रजातांत्रिक का विरोध किया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	2.	इटली के एकीकरण मे गैरीबाल्डी का योगदान– गैरीबाल्डी इटली का एक स्वतन्त्रता सैनानी था। उसने इटली को एकीकृत करने मे महत्वपूर्ण योगदान किया। उसने स्वतन्त्र स्वयं सेवको को लेकर सिसली और नेपल्स पर आक्रमण किया और उन्होंने सिसली और नेपल्स को सार्डीनिया पीडमांट में मिला लिया।
3	3.	काबूर का योगदान – काबूर सार्डीनिया-पीडमान्ट का प्रधानमंत्री था। उन्होंने 1859 में आस्ट्रिया, डेन्मार्क और फ्रांस को तीन युद्धो मे पराजित कर इटली के एकीकरण मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
	4.	विक्टर इमेनियल द्वितीय का योगदान– विक्टर इमेनियल द्वितीय ने भी इटली के योगदान मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सन 1861 मे इटली को सम्राट घोषित कर दिया और इटली का एकीकरण पूर्ण किया।

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(18) यदि हमे संसाधन नियोजन ~~करेंगे~~ करना है तो हमें निम्नलिखित सोपानो का प्रयोग करेंगे –

(1) संसाधन नियोजन के लिए हमे संस्थागत और संसाधन नियोजन ढांचा तैयार करेंगे।

(2) संसाधनु की खोज कर ~~के~~ उनकी तालिका बनायेंगे। इससे संसाधनु नियोजन में को तकलीफ नही आती है।

(3) संसाधन नियोजन के लिए हम लोगो को जागरुक करेंगे।

3

(4) संसाधन नियोजन के लिए हमे संसाधनो का आ० अत्याधिक दोहन ~~करने के~~ ~~लिए~~ नही करने के लिए प्रेरित करेंगे।

(5) संसाधनो के अधिक उपयोग के वातावरण को प्रदूषण ~~के~~ नही करेंगे इसके लिए संसाधन नियोजन करना चाहिये।

(19) भारत में महिलाओ को राजनीति मे प्रतिनिधित्व -

(1) भारत में महिलाओ को राजनीति मे प्रतिनिधित्व कम है। ~~भारत~~

(2) भारत के ~~लोकसभा~~ लोकसभा में महिलाओ का प्रतिनिधित्व 14.5 फीसदी है।

(3) भारत के विधायिकाओ मे महिलाओं का प्रतिनिधित्व 5 फीसदी है।

BSER-172 2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	(5)	जो लोकसभा और विधायिका में जो लम्बे समय से शिथिल पड़े है उनको भी महिलाओ को प्रतिनिधित्व देना चाहिये।
3	(20)	विदेश व्यापर विभिन्न देशो के बाजारो के एकीकरण मे सहायक होता है। इस कथन के पक्ष मे तीन तर्क -
	(1)	विदेश व्यापार से अपने उत्पादो को दूसरे देशो के बाजारो मे उत्पादन करके विभिन्न देशो के एकीकरण मे सहायक होते है।
	(2)	विदेश व्यापार से उत्पादो का उत्पादन करने से विभिन्न देशो की आय मे वृद्धि होती है और वहाँ के लोगो को विदेश व्यापार से अनेक आवश्यकता की वस्तुऐं प्राप्त होती है। इस कारण भी यह विभिन्न देशो को जोड़ने मे सहायक होते है।
	(3)	विदेश व्यापर विभिन्न देशो मे पूंजी निवेश करती है जिससे वहाँ के देशो की (G.D.P) सकल घरेलू उत्पाद मे वृद्धि होती है। इससे देश मजबूत और एकीकृत होता है। इस प्रकार विदेश व्यापर विभिन्न देशो को जोड़ने मे सहायक होता है।

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(2) (1) सविनय अवज्ञा आन्दोलन की शुरुआत -
महात्मा गाँधी ने 31 ~~मार्च~~ जनवरी 1930 को वायसराय लार्ड इरविन को एक पत्र लिखा और उसमें 11 माँगों का उल्लेख किया। इन 11 माँगों में से सबसे महत्वपूर्ण माँग नमक कर को समाप्त करने की थी। नमक का अमीर-गरीब सभी इस्तेमाल करते हैं। नमक भोजन का अभिन्न हिस्सा होता है। ~~अब~~ महात्मा गाँधी ने लार्ड इरविन को कहा कि 6 मार्च तक उनकी माँगें नहीं मानी तो कांग्रेस सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू कर देगी। जब लार्ड इरविन ने उनकी माँगों को नहीं स्वीकार किया तो गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन शुरू कर दिया।

(2) ~~सविनय~~ दाण्डी यात्रा - गाँधी जी ने अपने 78 विश्वस्त ~~स्वयं~~ स्वयंसेवकों को लेकर ~~दाण्डी~~ दाण्डी यात्रा की शुरू कर दी और यह यात्रा गाँधी जी के गाँधी आश्रम ~~के~~ के साबरमती से दाण्डी नामक स्थान पर जानी थी। गाँधी जी ने यह यात्रा 240 किलोमीटर पैदल चलकर की। यह यात्रा 24 दिन में पूरी हुई और गाँधी जी 6 मार्च को दाण्डी पहुँचे और वहाँ नमक बनाकर नमक कानून का उल्लंघन किया।

(3) सविनय अवज्ञा आन्दोलन का स्वरूप -
इस आंदोलन का स्वरूप सिर्फ असयोग

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	(4)	जो लोकसभा और विधायिका में जो लम्बे समय से शिथिल पड़े है उनको भी महिलाओ को प्रतिनिधित्व देना चाहिये।
3	(20)	विदेश व्यापर विभिन्न देशो के बाजारो के एकीकरण मे सहायक होता है। इस कथन के पक्ष मे तीन तर्क —
	(1)	विदेश व्यापार से अपने उत्पादो को दूसरे देशो के बाजारो मे उत्पादन करके विभिन्न देशो के एकीकरण मे सहायक होते है।
	(2)	विदेश व्यापार से उत्पादो का उत्पादन करने से विभिन्न देशो की आय मे वृद्धि होती है और वहाँ के लोगो को विदेश व्यापार से अनेक आवश्यकता की वस्तुऐं प्राप्त होती है। इस कारण भी यह विभिन्न देशो को जोड़ने मे सहायक होते है।
	(3)	विदेश व्यापर विभिन्न देशो मे पूंजी निवेश करती है जिससे वहाँ के देशो की (G.D.P) सकल घरेलू उत्पाद मे वृद्धि होती है। इससे देश मजबूत और एकीकृत होता है। इस प्रकार विदेश व्यापर विभिन्न देशो को जोड़ने मे सहायक होता है।

BSER-172/2022

प्रवेशिका परीक्षा, 2023

PRAVESHIKA EXAMINATION, 2023

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

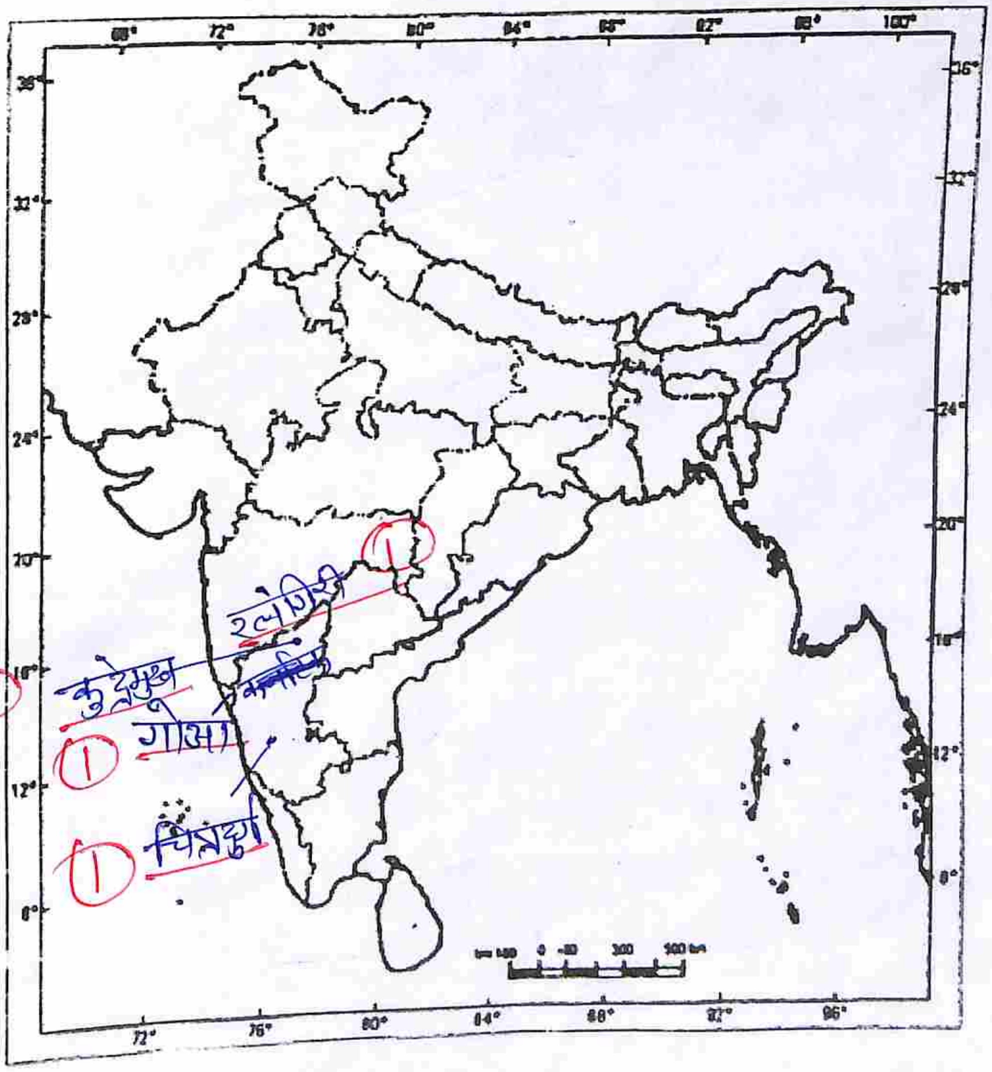

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

न करने के लिए बल्कि अंग्रेजों की अवज्ञा न मानने के लिए गाँधीजी ने आह्वान किया था।

4. ⇒ सविनय अवज्ञा आन्दोलन की प्रगति – यह आन्दोलन शहरों में फैला और गाँवों में फैल गया तथा धीरे-धीरे सम्पूर्ण देश में यह आन्दोलन फैल गया और अनेक लोगों ने नमक कानून बनाया और अंग्रेजों के निडरतापूर्ण उल्लंघनों का तोड़ा।

5. ⇒ ब्रिटिश सरकार की दमकारी ~~नीति~~ – जब शहरों में लोग ~~नीति~~ शराब की पिकेटिंग तथा विदेशी वस्त्रों की होली ~~जलाई~~ जलायी तो सरकार ने इस आंदोलन से चिन्तित थी और एक ~~दमकारी~~ दमनकारी नीति अपनाई। इस नीति के अन्तर्गत सीमान्त गाँधी अब्दुल गफ्फार खाँन ~~और~~ को गिरफ्तार कर लिया। इस कारण लोग विदेशी नियमों का उल्लंघन करने के लिए सड़कों पर उतर आये और बाद में महात्मा गाँधी जी को भी गिरफ्तार कर लिया।

6. ⇒ पुनः सविनय अवज्ञा आन्दोलन को शुरू करना – 1922 में गोरखपुर में चौरी-चौरा में सत्याग्रहियों और पुलिस के बीच हिंसक टकराव होने के कारण आन्दोलन को बन्द करना पड़ा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अतः 1932 में पुनः आन्दोलन को शुरू कर दिया तथा इस आंदोलन को 1934 में असफलता मिली।

4

(22) संघवाद का अर्थ – आमतौर पर संघवाद का अर्थ – केन्द्र सरकार और उसकी आनुषांगिक इकाइयों से है। इसमे दो स्तर की सरकार होती है। एक सरकार पूरे देश के लिए होती है। जिसके जिम्मे राष्ट्रीय महत्व के विषय होते है और अलग-अलग स्तर पर राज्यों की सरकार होती है। जिसके जिम्मे राष्ट्रीय महत्व के विषय होते है। ये दोनो स्तर की सरकार अपने-अपने स्तर पर स्वतंत्र होकर कार्य करती है।

⇒ संघीय व्यवस्था के गठन के तरीके – संघीय व्यवस्था में गठन दो तरीकों से होता है –

(1) साथ आकर संघ बनाना – इसके अन्तर्गत छोटे-छोटे राज्य मिलकर एक संघ ईकाई का निर्माण करती है। इसमे या राष्ट्र का अपेक्षा राज्यो से अधिक राज्यो की ताकतवर और शक्तिशाली होते है। इसमे राज्यो संप्रभुता और अपनी-अपनी पहचान बनाये रखते है। खुशहाल होने का रास्ता अख्तियार वे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

करते हैं। स्विट्जरलैण्ड, आस्ट्रेलिया, अमेरिका।

2.⟹ साथ रहकर संघ बनाना - इसमें एक देश अपनी आन्तरिक विविधता को ध्यान में रखते हुए राज्यो का निर्माण करते है औरकिराष्ट्र और राज्यो में सत्ता का बँटवारा करते है। इसमें राष्ट्र अधिक शक्तिशाली और ताकतवर होता है। जैसे - भारत, स्पेन, बेल्जियम इसके उदाहरण हैं।

4

(4) वियना संधि की विशेषता -

(1) वियना संधि 1815 में नेपालियन की हार के बाद हुई।

(2) इसने नेपालियाई युद्धो में हुए परिवर्तनो को बखान्ति किया।

2

BSER-172/2022

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

USER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-172/2022